भारत का 41वाँ विश्व धरोहर स्थल: शांतिनिकेतन

प्रिलिम्स के लिये:

शांतिनिकेतन, यूनेस्को की विश्व विरासत सूची, रबींद्रनाथ टैगोर, देबेंद्रनाथ टैगोर, विश्व भारती विश्वविद्यालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

मेन्स के लिये:

शांतिनिकेतन को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित करने का महत्व

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में शांतिनिकेतन, जो पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले में स्थित है, को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था।
  - **वर्ष 2010** से ही **शांतिनिकेतन** को **यूनेस्को (UNESCO) द्वारा विश्व धरोहर स्थल** के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास चल रहे हैं। शांतिनिकेतन को यूनेस्को द्वारा भारत के **41वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में** मान्यता दी गई है।

शांतिनिकेतन की लोकप्रियता का कारण:

- **ऐतिहासिक महत्व: वर्ष 1862 में** रबींद्रनाथ टैगोर **के पिता देबेंद्रनाथ टैगोर** ने इस प्राकृतिक परिदृश्य को देखा और **शांतिनिकेतन** नामक एक घर का निर्माण करके एक आश्रम स्थापित करने का निर्णय लिया, जिसका अर्थ है **"शांति का निवास"।**
- **नाम परिवर्तन**: यह क्षेत्र, जिसे मूल रूप से **भुबडांगा** कहा जाता था, ध्यान के लिये अनुकूल वातावरण के कारण देबेंद्रनाथ टैगोर द्वारा इसका नाम बदलकर **शांतिनिकेतन** कर दिया गया।
- **शैक्षिक विरासत:** वर्ष 1901 में रबींद्रनाथ टैगोर ने भूमिका एक महत्वपूर्ण हिस्सा चुना और ब्रह्मचर्य आश्रम मॉडल के आधार पर एक विद्यालय की स्थापना की। यही विद्यालय आगे चलकर विश्व भारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ।
- **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल:** संस्कृति मंत्रालय ने मानवीय मूल्यों, वास्तुकला, कला, नगर नियोजन और परिदृश्य डिज़ाइन में इसके महत्व पर बल देते हुए **शांतिनिकेतन को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का प्रस्ताव** दिया गया।
- **पुरातत्व संरक्षण:** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI) शांतिनिकेतन की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए कई संरचनाओं के जीर्णोद्धार में शामिल रहा है।

रबींद्रनाथ टैगोर:

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - **रबींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई, 1861 को कलकत्ता**, भारत में एक प्रमुख **बंगाली परिवार** में हुआ था। वह **तेरह बच्चों में सबसे छोटे थे**।
  - **टैगोर बहुज्ञ थे** और **विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट थे।** वह न केवल एक **कवि** थे बल्कि एक **दार्शनिक, संगीतकार, नाटककार, चित्रकार, शिक्षक और समाज सुधारक** भी थे।
  - **नोबेल पुरस्कार विजेता:**
  - **वर्ष 1913 में, रबींद्रनाथ टैगोर "गीतांजलि" (सॉन्ग ऑफरिंग्स**) नामक कविताओं के संग्रह के लिये **साहित्य में नोबेल पुरस्कार** से सम्मानित होने वाले पहले एशियाई बने।
- **नाइटहुड:**
  - **वर्ष 1915 में रबींद्रनाथ टैगोर को ब्रिटिश किंग जॉर्ज पंचम (British King George V) द्वारा नाइटहुड** की उपाधि से सम्मानित किया गया।

- वर्ष 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड (Jallianwala Bagh Massacre) के बाद उन्होंने नाइटहुड की उपाधि का त्याग कर दिया।
- **राष्ट्रगान के रचयिता:**
  - उन्होंने **दो देशों के राष्ट्रगान लिखे**, "जन गण मन" (भारत का राष्ट्रगान) और **"आमार शोनार बांग्ला" (बांग्लादेश का राष्ट्रगान)।**
- **साहित्यिक कार्य:**
  - उनकी साहित्यिक कृतियों में **कविताएँ, लघु कथाएँ, उपन्यास, निबंध और नाटक** शामिल हैं। उनके कुछ उल्लेखनीय कार्यों में **"द होम एंड द वर्ल्ड," "गोरा," गीतांजलि, घारे-बैर, मानसी, बालका, सोनार तोरी और "काबुलीवाला" शामिल हैं।**
  - उन्हें उनके गाने **'एकला चलो रे (Ekla Chalo Re)' के लिये** भी याद किया जाता है।
- **समाज सुधारक:**
  - वह **सामाजिक सुधार, एकता, सद्भाव और सहिष्णुता के विचारों को बढ़ावा देने के समर्थक** थे। उन्होंने **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की आलोचना** की तथा भारतीय स्वतंत्रता के लिये कार्य किया।
- **टैगोर का दर्शन:**
  - उनके दर्शन ने मानवतावाद, आध्यात्मिकता और प्रकृति तथा मानवता के बीच संबंध के महत्त्व पर ज़ोर दिया।
- **साहित्यिक शैली:**
  - **टैगोर की लेखन शैली** को उनके **गीतात्मक और दार्शनिक गुणों** द्वारा चिह्नित किया गया, जो अक्सर प्रेम, प्रकृति तथा आध्यात्मिकता के विषयों की खोज करती थी।
- **मृत्यु:**
  - 7 अगस्त, 1941 को साहित्य की समृद्ध विरासत और **भारतीय एवं विश्व संस्कृति** पर स्थायी प्रभाव छोड़ते हुए उनका निधन हो गया।

यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल:

- **विश्व धरोहर स्थल** वह स्थान है जो **यूनेस्को** द्वारा अपने **विशेष सांस्कृतिक या भौतिक महत्त्व** के लिये सूचीबद्ध किया गया है।
- **विश्व धरोहर स्थलों** की सूची **यूनेस्को विश्व धरोहर समिति** द्वारा प्रशासित अंतर्राष्ट्रीय **'विश्व धरोहर कार्यक्रम'** द्वारा रखी जाती है।
  - यह वर्ष 1972 में यूनेस्को द्वारा अपनाई गई **विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण** से संबंधित अभिसमय नामक एक **अंतर्राष्ट्रीय संधि** में सन्निहित है।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

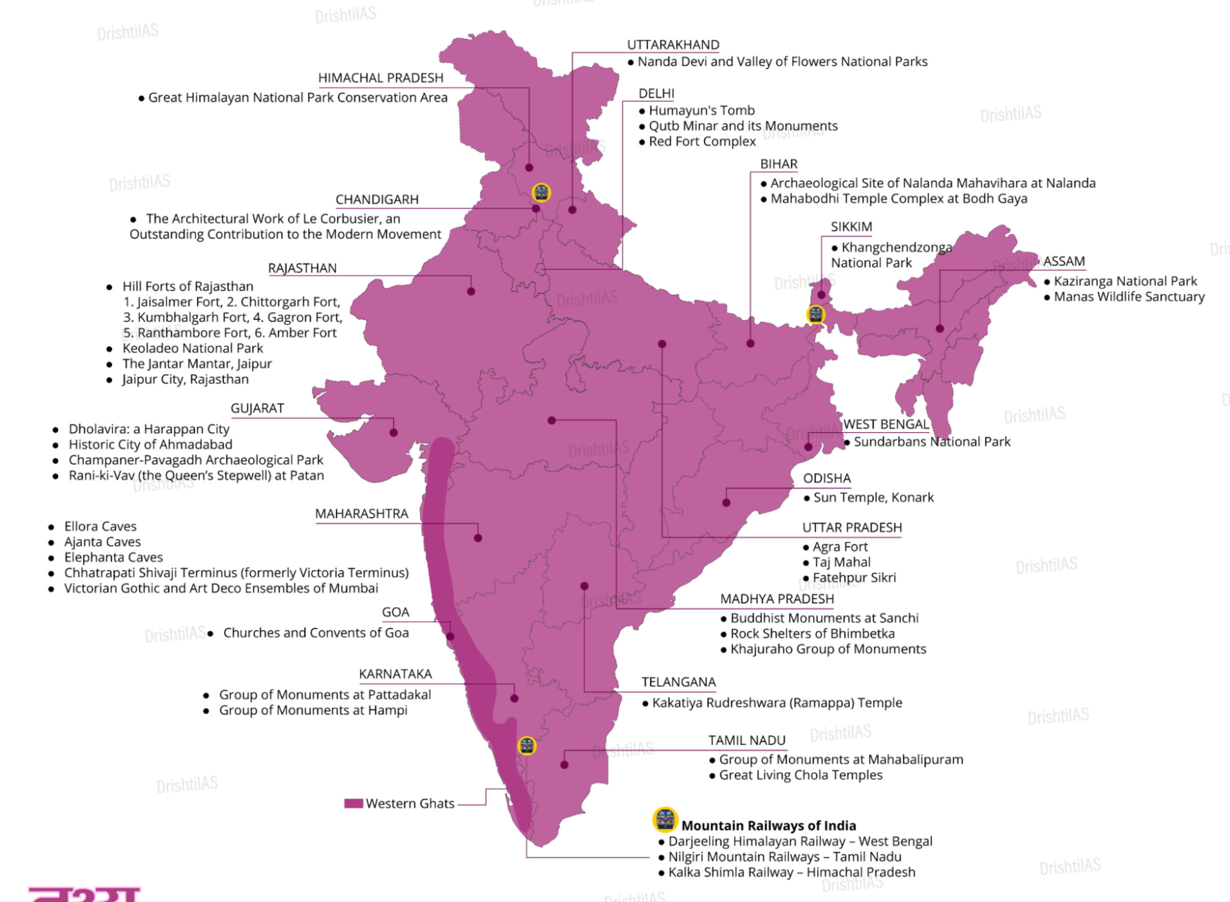

तथ्य

- **भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या** – 40
- **कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल** – 32
- **कुल प्राकृतिक स्थल** – 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- **मिश्रित स्थल** – 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- **सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल** – ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- **सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021)** – हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- **सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश** – इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्रांस (49), स्पेन (49)
- **विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठवें स्थान पर है।**

Drishti IAS

//

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न. नम्निलखिति नेशनल पार्कों में से कसि एक की जलवायु उष्णकटबिंधीय से उपोष्ण, शीतोष्ण और आर्कटकि तक परवि्रतति होती है? (2015)

(a) कंचनजंघा नेशनल पार्क
(b) नंदादेवी नेशनल पार्क
(c) न्योरा वैली नेशनल पार्क
(d) नामदफा नेशनल पार्क

उत्तर: (d)

⍰⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न. महात्मा गांधी और रबींद्रनाथ टैगोर में शिक्षा एवं राष्ट्रवाद के प्रति सोच में क्या अंतर था? (2023)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/santiniketan-becomes-india-s-41st-world-heritage-site